RNI Reg No HARHN/ 2017/72144

मूल्य 60 रुपये , अंक : नौवा

यात्रा आमंत्रण

मार्च-अप्रैल -2023

भारत की एक मात्र हिंदी पर्यटन पत्रिका

कवर स्टोरी

भारत का पहला पर्यटन पर आधारित ओटीटी प्ले

अज़रबैजान की कहानी

केरल और झारखण्ड पर विशेष लेख

THE EXODUS CONTINUES
Three days after the government started trains with much fanfare to repatriate migrants, facts on the ground paint a picture of official apathy, helplessness and a throbbing anger among those walking
REPORTAGE: RANJEET JADHAV, DIWAKAR SHARMA AND FAIZAN KHAN. PHOTOS: HANIF PATEL, RANJEET JADHAV
'No one cares about the poor. That's why we have to walk hundreds of kilometres. We don't have money for food or tickets'
Rajesh Pawar, walking to Gondia district
'I could just die, right?'
'Have no mo
'We labourers mean nothing to the govt. Otherwise, we too would have been showered with flower petals from a helicopter. We are paying for being poor'
Ramlal, a migrant
'We just want to go home'
Tragedy and Shame
CM suspends SHOs after trucks carrying migrants collide in UP, DGP admits numbers on move 'huge'
Among those in truck: Some who failed to get on train, workers denied wages
Can't help but cry at migrant plight, says Madras HC, seeks report
DHARAVI, A TALLY OF 635 IN CITY
GOVT CAN HIRE 6000 BUSES & 30 TRAINS FOR MODI'S RALLY BUT NO TRANSPORT TO MIGRANT WORKERS
oo buses and 30 trains
oked for Modi's rally
देश विभाजन के जख्म कुरेदती हैं मजदूरों के पलायन की तस्वीरें
तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट से कलरफुल हो गई, लेकिन
पलायन की त्रासदी के रंग 73 साल में भी नहीं बदले
1947
2020
दो तस्वीरों में 73 साल का फासला है, मगर विस्थापन का दर्द और पेट पालने की मजबूरी दोनों तस्वीरों में एक सी है... पहली तस्वीर देश के विभाजन तो दूसरी कोरोना काल की है...
रांची | देशभर की सड़कों पर... और मजबूरियों का बोझ उठाए... तरफ लौट रहे हैं। सरकारी... पैदल निकले या किसी ट्रक... का शिकार हो रहे हैं, फिर... ठूंसे गए इंसान नजर आ... यह ट्रक महाराष्ट्र से चल...
कुएं से निकले 9 प्रवासी श्रमिकों के शव, 2 बिहार और 7 पश्चिम बंगाल के
अपने घर जाना चाहते थे, लेकिन...
पंप से पानी निकालने के बाद निकाले
Khogen Singh
@khogensingh1
A penniless migrant worker breaks down as he talks on his mobile phone, a photo that should haunt all Indians

तालाबंदी ने दिए प्रवासी मजदूरो को गहरे ज़ख़्म

हमे याद रखना होगा की एक फ़र्ज़ी महामारी के नाम पर एक करोड़ मजदूर पैदल घर को गए। जब यह बेहद तकलीफ की यात्रा में थे तब देश की सरकार इनके लिए बनाये कानून भूल गयी थी।

अंतर-राज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम -1979 (ISMW)
ट्रेड यूनियन एक्ट-1926
मजदूरी का भुगतान अधिनियम -1936
न्यूनतम मजदूरी अधिनियम-1948
बोनस भुगतान अधिनियम-1965
ठेका श्रम (विनियमन और उन्मूलन) अधिनियम -1970
समान पारिश्रमिक अधिनियम-1976
बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम -1986
असंगठित कामगार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम-2008
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम-2005

भारतीय संविधान के कुछ अनुच्छेद जो हम याद रखे

अनुच्छेद 21 जीवन की सुरक्षा की गारंटी देता है
अनुच्छेद 21ए - मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा
अनुच्छेद 23 सभी प्रकार की तस्करी और जबरन श्रम पर रोक लगाता है
अनुच्छेद 39 (डी) समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित करता है
अनुच्छेद 15 राज्य को नागरिकों के साथ भेदभाव करने से रोकता है

24 मार्च 2023 को एक प्रार्थना सभा का आयोजन करे।

स्काई डाइविंग फेस्टिवल

मध्यप्रदेश में स्काई डाइविंग फेस्टिवल के दूसरे संस्करण की शुरूआत 05 जनवरी 2023 से उज्जैन के दताना एयरस्ट्रिप में आयोजित किया गया । मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किए गए स्काई डाइविंग फेस्टिवल का समापन 15 जनवरी को हुआ ।

यात्रा आमंत्रण की टीम ने साउथ अफ्रीका के मुंबई रोडशो में भाग लिया और साउथ अफ्रीका पर्यटन के आगामी योजना पर जागरूकता अर्जित की

एक स्टेशन एक उत्पाद

रेलवे द्वारा केंद्र सरकार के दिशा निर्देश अनुसार महिला बचत गड के महिलाओ और स्थानीय दस्तकार को अपना उत्पाद चौदह दिन के लिए बेचने का मौका स्टेशन परिसर में दिया जाता है। इसी के तहत हमारी दूसरी इकाई ₹ इजारा₹ ने दादर स्टेशन में पारपरिक नमकीन और लड्डु बेचने के दिशा में काम किया।

मुंबई में accor showcase का आयोजन एक मार्च को जुहू के नोवोटेल होटल में किया गया। इस दौरान नोवोटेल होटल के डायरेक्टर ऑफ कुलिनरी शेफ जेरसन फर्नांडेस के संग यात्रा आमंत्रण के महाराष्ट्र प्रमुख नितिन कालजे की मुलाकात हुई। इस आयोजन में accor के संग जुड़े विश्व भर में फैले होटल समूह ने अपने यहाँ के होटल्स की जानकारी साझा की।

दीपावली में बच्चो के लिए मिठाई वितरण

दीपावली के शुभ अवसर पर सड़क में रहने वाले बच्चो के लिए हमारी सामाजिक संगठन ₹ विल इंडिया चेंज फाउंडेशन₹ ने मिठाई के डिब्बे वितरित किये। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता विद्या नाइक और फाउंडेशन की तरफ से सुहासिनी साकिर ने बच्चो को मिठाई देकर इस त्योहार की खुशिया साझा की।

झारखंड टूर एंड ट्रेवल एसोसिएशन

यात्रा आमंत्रण के संपादक विश्वदीप रॉय चौधुरी ने रांची यात्रा के दौरान ह्झारखण्ड टूर एंड ट्रेवल एसोसिएशनह्व के अध्यक्ष अमरदीप सहाय के साथ मुलाकात की और पर्यटन के विषय में जानकारी एकत्रित किया।

संपादक की कलम से

यात्रा आमंत्रण पत्रिका का लक्ष्य मात्र पर्यटन के लिए खबरे प्रकशित करना और हिंदी भाषा को प्रचारित करना है। विगत एक साल के सफर में हमने सामाजिक मुद्दों को बेबाकी से उठाया और उस पर निष्पक्ष खबरे प्रकाशित की। हम मानते है की पर्यटन अनुकूल वातावरण के लिए ज़रूरी है की सामाजिक मुद्दों को भी राष्ट्रीय स्तर पर सभी वर्गों के आगे परिलक्षित किया जाये। दो साल के तालाबंदी ने पर्यटन उद्योग को जिस तरह से हानि पहुंचाई वह सर्विदित है। इसलिए हमने अपने प्रकाशन में अवैज्ञानिक तालाबंदी और कोरोना महामारी के षड्यंत्र को सबके आगे उजागर किया। हम आज भी एक करोड़ मजदूरों के प्रति बेहद संवेदनशील है जो पैदल घर को गए।

2023 में नया कुछ लिखने को मेरे पास नहीं है क्युकी पिछले साल यानि 2022 में पर्यटन को लेकर छप्पर फाड़ घोषणा सुनाई नहीं पड़ी। सरकार ने जो कहा उस पर एक लेख मैंने इस अंक में आपके समक्ष रखा। इस अंक में मुझे प्रसन्नता है की हम भारत का पहला पर्यटन पर आधारित चलचित्र आप्लिकेशन एंड्राइड और आई ओ एस पर ला रहे है जो पुरे पर्यटन उद्योग को लाभान्वित करेगा। इस कोशिश में पर्यटन बाजार में उम्मीदों की एक शृंखला पुनर्प्रेषित करना है जिसकी मांग लम्बे समय से की जा रही थी। इस नई कोशिश के लिए आपके आशीर्वाद और आपके विचार हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगी।

विश्वदीप रॉय चौधरी
प्रधान संपादक

संपादकीय टीम

› मुख्य संपादक
- बिस्वदीप रॉयचौधरी

› महाराष्ट्र ब्यूरो प्रमुख
- नितिन कलजे

› माननीय सलाहकार
- गौर कांजीलाल

› कानूनी सलाह और
उत्तर प्रदेश प्रमुख - प्रताप सिंह

› संवाददाता - सुहासिनी साकिर

› जनसंपर्क अधिकारी - मोहन जोशी

› कॉपी संपादन - यज्ञ भारद्वाज

› ग्राफिक डिजाइनर - शिव पांडेय

› प्रकाशन सलाहकार - शंकर कोरेंगा

› विडियो संपादक - कपिल अत्री

› परामर्श संपादक - मोहम्मद इस्माइल

› मुंबई प्रमुख - नरेंद्र पाटिल

› विक्रांत रंजन - वीडियो संपादन

विज्ञापन के लिए
Whats app करें 9971229644
Youlube/Asatya Bharat
www.yatramantran.com

Follow us
@ yatramantran/
twitter/
Facebook /
Instagram

हमें मेल करें या अपना नाम हमारी फ्री सर्कलेशन सूची में शामिल करें / प्रेस विज्ञप्ति यहां भेजें
yatraamantran@gmail.com

प्रकाशक का पता;
ए 1 , 202 , दीवान पार्क , अम्बाडी रोड , वसई पश्चिम , जिला पालघर

यात्रा आमंत्रण ला रहा है भारत का पहला पर्यटन पर आधारित ओटीटी प्ले

यात्रा आमंत्रण की स्थापना वर्ष 2017 में हुई थी , तब हिंदी भाषा में भारत में एक भी पत्रिका नहीं थी पर अंग्रेजी भाषा में चौबीस से ज्यादा पत्रिका उपलब्ध थी। यात्रा आमंत्रण का बड़ा सवाल यह था की जब घरेलू पर्यटन में सत्तर से ज्यादा पर्यटक हिंदी भाषा में ही बात-चीत करते है और उन्हें कोई भी जानकारी चाहिए तो हिंदी में ही लेना पसंद करते है , तो हिंदी में कोई पर्यटन पत्रिका क्यों नहीं है। इसी एक सोच के साथ यात्रा आमंत्रण की शुरुवात हुई। तालाबंदी के साथ पत्रिका का काम भी रुक गया क्युकी यात्रा हो नहीं रही है तो पर्यटन पर क्या प्रकाशित की जाये। लिहाज़ा यात्रा आमंत्रण ने सामाजिक मुद्दों को तरजीह दी और सामाजिक विषय पर लेख प्रकाशित किया। बेबाक और निष्पक्ष पत्रकारिता के तहत यात्रा आमंत्रण ने कोरोना महामारी के षड़यत्र पर से भी पर्दा उठाया और तालाबंदी के अवैज्ञानिक आदेश के खिलाफ अपनी आवाज़ बुलंद की। वर्ष २०२२ में यात्रा आमंत्रण ने टूर और ट्रेवल एजेंसी की भी शुरुवात की और इसमें सामाजिक कार्य पर अपनी नज़र बनाये रखी। बनारस यात्रा का खाका खींचा गया जिसमे गरीब महिलाओ को बेहद सस्ते में बाबा विश्वनाथ के दर्शन का मौका दिया गया। वर्ष 2023 में यात्रा आमंत्रण एक कदम और आगे बढ़ते हुए पर्यटन जगत के लिए शानदार घोषणा करने जा रहा है। भारत में पहली बार एक ऐसा एप्लीकेशन आपके मोबाइल पर आने वाला है जिसके ज़रिये आप वीडियो फॉर्मेट में होटल की बुकिंग से लेकर बेहतरीन टूर पैकेज ले पाएंगे। यात्रा आमंत्रण अपने दो साल के शोध में पाया की पर्यटक के पास जो भी ऍप उनके मोबाइल में है उसमे कई खामिया है। जैसे आप आज कही घूमने जाना चाहते है और उसके लिए आप होटल की तलाश कर रहे है। होटल की सुविधा और उसका दाम तस्वीरो के माध्यम से तो आपको मिल जाता है पर इस से आप यह नहीं पता कर पाते है की जहा आप ठहरना चाहते है वह कैसा है। अब आपको सब कुछ वीडियो के रूप में दिखेगा। अब आप किसी नए शहर जायेंगे तो वह क्या खाने को मिलेगा , कौन सी गाड़ी मिलेगी , कौन सी जगह क्या खरीदने को मिलेगा , कौन से थिएटर में कौन सी फिल्म लगी है , कहा पर है एम्यूज़मेंट पार्क , सब कुछ आपको वीडियो फॉर्मेट में मिलेगा।

अगर सरल भाषा में कहे तो अब पर्यटन की हर जानकारी वीडियो फॉर्मेट में। यह है भारत का पहला पर्यटन पर आधारित OTT play .

भारत में इंटरनेट क्रांति ने संवाद के नए तरीके ईजाद किये है। आज से दस साल पहले जिस जानकारी को पता करने में हफ्तों लग जाते थे अब वही जानकारी गूगल में एक मिनट से भी कम समय में हासिल की जा सकती है। भारत ओटीटी की दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ता हुआ बाजार है। वर्ष 2024 तक भारत दुनिया में ओटीटी बाजार में छटवे स्थान पर पहुंच जायेगा। फाइव जी आने के बाद इस ओटीटी प्रसारण में बेहरतीन वीडियो कंटेंट का अनुभव मिलना लाज़मी है। ओटीटी को सबसे जयादा दर्शक तालाबंदी के समय मिले जब घर में जबरदस्ती एक फ़र्ज़ी महामारी के नाम पर सबको कैद कर दिया गया था। इंडिया ब्रांड इक्विटी ने अपने शोध में पाया की सशुल्क सदस्यता वर्ष 2020 में 29 मिलियन दर्ज़ की गयी जो तक़रीबन 31 प्रतिशत केवल चार महीने में बढ़ के हो गया। ब्लॉक चैन तकनीक ने ओटीटी बाजार को नयी गति दी और 2025 तक

इस तकनीक के कारण $ 176 मिलियन राजस्व मिलने की सम्भावना है जो आगे वर्ष 2030 तक $ 1. 6 ट्रिलियन तक होने की उम्मीद है। ब्लॉकचैन के कारण पाइरेसी से भी निज़ाद मिलने की उम्मीद है जिसके कारण केवल आधिकारिक उपभोक्ता ही कंटेंट को देख पाएंगे।

वर्ष 2022 में इंटरनेट के माध्यम से होने वाले यातायात में 82 प्रतिशत भागीदारी वीडियो कंटेंट का था। तकनिकी भाषा में देखे तो इंटनेट यातायात 4. 8 zeetabyte के भरोसे चलता है जिसमे से 4 zeetabyte अकेले वीडियो कंटेंट से मिलता है।

भारत का ओटीटी बाजार 13 हज़ार 5 सौ करोड़ का है और यह तीन गुना रफ़्तार से 2025 तक बढ़ने की उम्मीद है। दूसरे शब्दों में अगले चार साल में ओटीटी बाजार में 26. 4 प्रतिशत का इजाफा देखा जा सकता है।

दिसंबर 2020 के शोध से पता चला है की एक भारतीय तक़रीबन अपने मोबाइल पर रोज़ पांच घंटे वीडियो देखता है और तक़रीबन 13 GB डाटा प्रति महीने खर्च करता है।

वर्ष 2015 में भारत में इंटरनेट उपभोक्ता की संख्या जहा 251. 59 मिलियन था वही वर्ष 2020 में यह तादाद बढ़ के 749. 07 मिलियन हो गयी है। भारत की जनसख्या को ध्यान में रखे तो इंटरनेट तक़रीबन 55 प्रतिशत आबादी की पहुंच में आ चुकी है इसमें से 98 प्रतिशत शहरी इलाके है और 33 प्रतिशत ग्रामीण भूभाग है।

डाटा रिपोर्टल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है की जनवरी 2021 तक भारत में सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले भारतीयों की संख्या 448 मिलियन हो गयी है और इसमें 21 प्रतिशत का इजाफा केवल वर्ष 2020 और 2021 में देखा गया है। सरल भाषा में समझे तो तक़रीबन पूरे आबादी का 32 प्रतिशत जनसंख्या सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहा है। इसी दौरान मोबाइल कनेक्शन में भी तेजी देखी गयी है और इस वक़्त 1. 1 बिलियन नागरिक के पास मोबाइल फ़ोन है। यानि इस वक़्त 79 प्रतिशत भारतीयों के पास मोबाइल फ़ोन है और उसका इस्तेमाल

जानते है। यानि भारत में बहुत जल्द 1 बिलियन इंटरनेट उपभोगता हो जायेंगे। Yougov ने एक अध्ययन में पाया की 63 प्रतिशत की पहली पसंद फ्री में सब कुछ देखना है ,उसके लिए विज्ञापन की अड़चन भी उन्हें मंजूर है। यानि विज्ञापन बाजार को भी एक मौका मिलता हुआ दिख रहा है। इस अध्ययन में यह भी देखा गया है की 32 प्रतिशत भारतीय मोबाइल ऍप में अखबार पढ़ना पसंद करते है। इसीलिए यात्रा आमंत्रण के ऍप में पत्रिका के सारे एडिशन भी रहेगा और आप उसको पढ़ भी पाएंगे।

टिकटोक से हम सभी वाकिफ है , यह बात और है की टिकटोक पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है पर लघु चलचित्र या शार्ट वीडियो कंटेंट वाले कई एप्लीकेशन ने बाजार में ओटीटी के माध्यम को नया आयाम दिया है। टिकटोक पर जब प्रतिबन्ध लगा तब इसके पास 75 मिलियन दैनिक उपभोगता थे। Reedsteer के रिपोर्ट से पता चला की वर्ष 2020 में शार्ट वीडियो कंटेंट भारत के 600 मिलियन इंटरनेट यूजर के 40 % आबादी को अपना ग्राहक बना चुकी है। यानि 180 मिलियन लोग अपने मोबाइल पर टिकटोक जैसे शार्ट वीडियो कंटेंट को देखते है।

यात्रा आमंत्रण के ओटीटी ऍप में सोशल मीडिया पर , पर्यटन के विषय पर वीडियो बनाने वाले ब्लॉगर को भी शामिल किया जा रहा है ताकि बेहतरीन यात्रा समाचार इस ऍप के ज़रिये यूजर तक पहुंच पाए। इस ऍप के ज़रिये आप चाहे तो बेहतरीन पर्यटन स्थलों की जानकारी एकत्रित करे , चाहे परिवार के साथ कही घूमने की योज़ना बनाये , खुद अपने वीडियो पोस्ट करे , दुसरे के पोस्ट पर अपनी राय बताये , जिन होटल्स में आप रुके या जहा आप गए उनके पेज पर उनके जगह पर रुकने के अनुभव को साझा करे , आप चाहे तो इस ऍप के ज़रिये रोज़गार के अवसर का लाभ भी ले सकते है। टूर गाइड और विदेशी भाषा पर अच्छी पकड़ है तो विदेशी पर्यटक के साथ मिल के टूरिज्म के प्रचार प्रसार के लिए भी काम कर सकते है।

यात्रा आमंत्रण के ओटीटी ऍप के पीछे की वजह वीडियो के प्रति बढ़ती लोकप्रियता है। भारत में वीडियो मार्केटिंग सबसे पसंदीदा विषय बनता जा रहा है। हर मिनट यूट्यूब में 500 घंटे का कंटेंट अपलोड किया जा रहा है। ट्विटर में जो वीडियो है उसको रोज़ 2 बिलियन व्यूज मिलते है। बाजार के जानकर मानते है की उन्हें 81 प्रतिशत ज्यादा मुनाफा तब मिला जब उन्होंने वीडियो के ज़रिये मार्केटिंग की। वीडियो की लोकप्रियता कितनी है इस बात का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है की यूट्यूब में 3 बिलियन घंटे का वीडियो रोज़ देखा जाता है।

तो अब एक ऐसा ऍप आ रहा है जो आपके छुट्टिओ की सारी समस्या दूर कर देगा और जो पर्यटन के कारोबार से जुड़े है , उनके लिए राजस्व के नए मौके लेकर आएगा। इस ऍप के ज़रिये यात्रा आमंत्रण वक़्त के साथ चलते हुए आज के ज़रूरत अनुसार पर्यटक और पर्यटन के कारोबार से जुड़े व्यापारिओं को अनूठा अवसर दे रहा है।

तो हम तो बस इतना ही कहेंगे , जब फ़रवरी में यह ऍप आधिकारिक रूप से एंड्राइड और आईओएस में आ जायेगा तो इसको अपने मोबाइल में डाउनलोड करना न भूले। क्योकि इस एक ऍप के ज़रिये आप सभी तरह की जानकारी वीडियो के रूप में देख पाएंगे। और यदि आप पर्यटन से जुड़े विषयो पर कारोबार करते है तो आज ही इस लिंक पर जाकर आपने बिज़नेस को ऍप के साथ जोड़े।

www.yatramantran.com/OTTPLAY

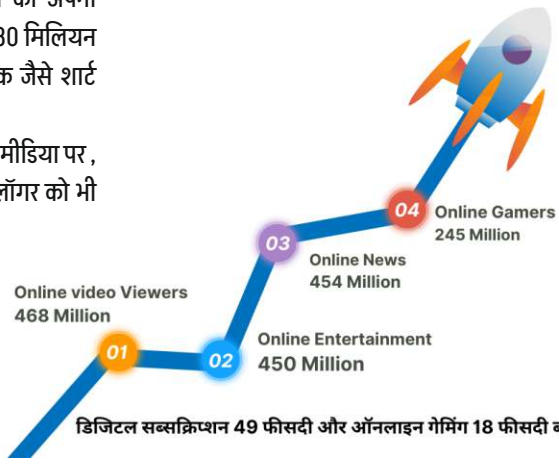

डिजिटल सब्सक्रिप्शन 49 फीसदी और ऑनलाइन गेमिंग 18 फीसदी बढ़ी है।

जिम्मेंदार पर्यटन में केरल का अभूतपूर्व और सराहनीये प्रयास

आरटी मिशन केरल सरकार द्वारा गठित नोडल एजेंसी है जिसका उद्देश्य है केरल राज्य भर में रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म के आदर्शों और इस उद्देश्य से चलाए जाने वाले मुहिमों का प्रसार और क्रियान्वयन करना। केरल के माननीय मुख्यमंत्री श्री पिणरायी विजयन ने 20 अक्टूबर 2017 को रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन का शुभारंभ किया। इस मिशन में 'ट्रिपल-बॉटम-लाइन' मिशन शामिल है जिसके अंतर्गत लिए गए हैं आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व। पर्यटन को गांवों और स्थानीय समुदायों के विकास, गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तीकरण का औजार बनाना रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन का मुख्य लक्ष्य है। इस मिशन के अंतर्गत किसानों, पारंपरिक दस्तकारों और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए अतिरिक्त आय और बेहतर आजीविका के साधन जुटाने और सामाजिक एवं पर्यावरणीय सामंजस्य तैयार करने की अपेक्षा रखी गई है।

कुमारकोम

हरियाली और नीला आसमान का एक सुंदर संयोजन पर्यटकों का कुमारकोम में स्वागत करता है। कुमारकोम के धान के खेतों में टहलना एक समृद्ध और विनम्र अनुभव है। आप यहाँ आये तो नारियल ताड़ के पेड़ के किण्वित रस का जरूर आनंद ले जो एक प्रकार का हल्का मादक पेय से बना एक अनूठा काढ़ा है।

कुमारकोम में नौका विहार भी एक विशिष्ट और शानदार अनुभव प्रदान करता है जिसकी याद आपके साथ जीवन भर चलेगा।

केरल में मछली पालन एक व्यवसाय है और उसके दृश्य यहाँ के नदी के किनारे एक अद्भुत नज़ारा पेश करता है । समुद्री और मीठे पानी की मछलियों जैसे करीमीन, झींगा से केरल के पारम्परिक व्यंजन बनाये जाते है है। नारियल ताड़ की बुनाई का बेहतरीन कारीगरी यहाँ देखि जा सकती है। कुमारकोम में आपको कॉयर के निर्माण को देखने का अवसर मिलता है और इसकी जादुई बनावट देखकर इसके कारीगरों की प्रतिभा के आप कायल हो जायेंगे। असंख्य अनुभवों का मिश्रण, कुमारकोम वास्तव में धरती पर बना स्वर्ग जैसा है।

बेपोर

बेपोर अतीत का एक हलचल भरा बंदरगाह शहर है , जहा आप व्यापार संबंधों की शानदार कहानियां और एक जीवंत सांस्कृतिक को करीब से महसूस कर सकते है। इस तटीय गांव ने न केवल केरल के ऐतिहासिक और व्यापार मानचित्र में बल्कि पर्यटन क्षेत्र में भी अपना स्थान बनाया है

आरटी मिशन द्वारा बेपोर में विकासात्मक कार्यों को सुव्यवस्थित करने का पहला चरण जुलाई 2021 में शुरू हुआ। ग्राम सभाओ के माध्यम से स्थानीय समुदाय के विचार आमंत्रित किये गए और इस शहर के विकास के लिए सभी के भागीदारी सुनिश्चित की गयी।

आरटी मिशन की गतिविधियों का उद्देश्य बेपोर में सामुदायिक स्तर की पर्यटन गतिविधियों को शुरू करना और स्थानीय समुदाय की पूर्ण भागीदारी के साथ पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं में नवाचार को बढ़ावा देना प्रमुखता से शामिल है।

कोवलम

केरल में सबसे अच्छे समुद्र तट के अनुभवों में से एक कोवलम को सबसे बेहतरीन तटों के रूप में पेश किया जाता है। झिलमिलाती लहरों और आकर्षक तटों के अलावा, कोवलम एक बेहतरीन ग्रामीण जीवन का अनुभव भी प्रदान करता है, जो इसे जिम्मेदार पर्यटन को लागू करने के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है।

वाईकॉम

वेम्बनाड झील से घिरा वैकोम अपने खूबसूरत जल निकायों और शांत ग्रामीण जीवन के कारण यात्रिओ को आकर्षित करता है । यहाँ पर दर्शन के लिए राजसी वैकोम महादेव मंदिर है जो इस जगह की विशिष्टता है। कोट्टायम जिले में स्थित वैकोम पर्यटकों को अपनी समृद्ध प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के साथ आकर्षित करता है। पीपर (पीपुल्स पार्टिसिपेशन फॉर पार्टिसिपेटरी प्लानिंग एंड एम्पावरमेंट थ्रू रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म) नाम का एक जनभागीदारी पर्यटन मिशन पहली बार वैकोम में प्रायोगिक आधार पर लागू किया गया था। वैकोम विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन मिशन द्वारा चलाई जा रही परियोजना को विश्व पर्यटन संगठन (डब्ल्यूटीओ) का समर्थन प्राप्त है । परियोजना के पहले चरण में वैकोम नगर पालिका, थलयाज़म, वेचूर, कल्लारा, मारवंथुरुथु चेम्पू, उदयनपुरम और टीवी पुरम को शामिल किया गया हैं, और दूसरा चरण थलायोलप्पारम्बु और वेल्लुर पंचायत को शामिल किया जायेगा ।

मंदिरो का भव्य इतिहास

चेतन वढेर

श्री वीरभद्रेश्वर स्वामी मंदिर, कलाथिगिरी, कर्नाटक

वीरभद्र मंदिर भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में लेपाक्षी में स्थित एक हिंदू मंदिर है। यह मंदिर भगवान शिव के उग्र अवतार वीरभद्र को समर्पित है। 16 वीं शताब्दी में निर्मित इस मंदिर की स्थापत्य विशेषताएं उस समय के विजयनगर शैली में मंदिर वास्तुशिप से प्रभावित है और इसकी झलक हर खुली सतह पर नक्काशी और चित्रों की प्रचुरता के साथ देखा जा सकता हैं। यह राष्ट्रीय महत्व के केंद्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों में से एक है और इसे सबसे शानदार विजयनगर मंदिरों में से एक माना जाता है।

कोटेश्वर महादेव मंदिर गुजरात

गुजरात क लखपत तालुका में कच्छ जिले में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर है । कोटेश्वर की कहानी के अनुसार रावण को उसकी महान आध्यात्मिक शक्ति के लिए एक शिव लिंग, भगवान शिव से वरदान के रूप में मिला था लेकिन अभिमानी रावण से जल्दबाजी में यह शिवलिंग धरती पर गिरा । रावण की लापरवाही को दंडित करने के लिए, यह शिवलिंग अनेक एक हजार समान शिवलिंगों में बदल गया एवं रावण गलत शिवलिंग लेकर चला गया जबकि असली शिवलिंग यहीं कोटेश्वर में रह गया जहाँ कोटेश्वर महादेव का मंदिर स्थित है ।

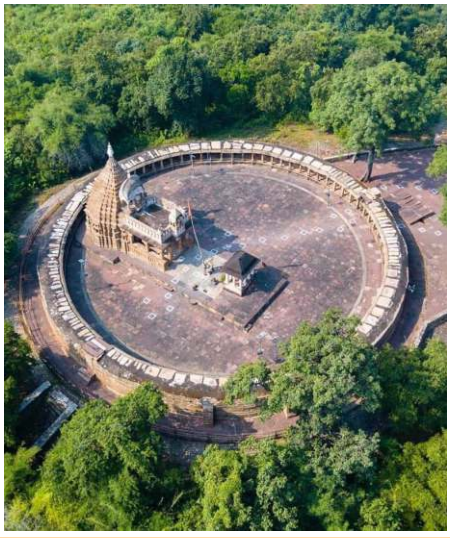

चौसठ योगिनी मंदिर

चौसठ योगिनी मंदिर को गोलकी मठ भी कहा जाता है। यह मंदिर जबलपुर शहर में है। सभी चौसठ योगिनी मंदिरों में से यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसमें 64 के बजाय 81 योगिनी हैं। इसका व्यास 125 फीट है जो इसे सबसे बड़ा योगिनी मंदिर बनाता है। विद्वान शमन हैटली ने इसे "योगिनी मंदिरों में सबसे प्रभावशाली कहा है। इसकी गोलाकार दीवार के अंदर चारों ओर योगिनियों के लिए 81 कक्षों के साथ एक ढका हुआ मार्ग है; तीन आले, दो पश्चिम की ओर, और एक पूर्व की ओर , एक दक्षिण-पूर्व प्रवेश द्वार के रूप में खुले रहते हैं। । मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी ईस्वी में त्रिपुरी के कलचुरियों वंश के राजा युवराज द्वितीय द्वारा किया गया था; लगभग 975-1025 ईस्वी के आस पास यह बना था ।.

भैरव बाबा मंदिर

भुकुंट बाबा को केदारनाथ का पहला रावल माना जाता है। उन्हें यहां का क्षेत्रपाल माना जाता है। बाबा केदार की पूजा से पहले केदारनाथ भुकुंट बाबा की पूजा किए जाने का विधान है और उसके बाद विधिविधान से केदानाथ मंदिर के कपाट खोले जाते हैं।

बृहदीश्वर मंदिर

चोल साम्राज्य के 'द ग्रेट लिविंग टेंपल्स' में से एक भगवान शिव को समर्पित बृहदीश्वर मंदिर को महान चोल शासक राजराज चोल प्रथम ने बनवाया था। इस मंदिर के निर्माण में 'ग्रेनाइट' के चौकोर पत्थर के ब्लॉक्स को (आकार में घटते क्रम में) एक-दूसरे के ऊपर इस प्रकार जमाया गया कि वो आपस में फँसे रहें। इसे साधारण भाषा में 'पजल टेक्निक (Puzzle Technique) कहा गया। मंदिर का मुख्य भाग (जो श्रीविमान कहलाता है) लगभग 216 फुट (66 मीटर) ऊँचा है। इसका मतलब हुआ कि पत्थर के ब्लॉक 216 फुट तक जमाए गए। ध्यान रखें कि यह सभी पत्थर मात्र एक-दूसरे के ऊपर रखे गए हैं न कि इन्हें किसी सीमेंट जैसे पदार्थ से (जैसा कि आजकल होता है) आपस में जोड़ा गया है। बृहदीश्वर मंदिर की सबसे खास बात यह है कि इसे बिना नींव के बनाया गया है।

श्रीकांतेश्वर या नंजुनदेश्वर मंदिर

नंजनगुड़ शहर श्रीकांतेश्वर या नंजुनदेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। नंजनगुड़, जिसे गारापुरी के नाम से भी जाना जाता है, मैसूर का एक छोटा सा शहर है। काबिनी नदी के तट पर स्थित इस शहर का नाम भगवान शिव के नाम पर रखा गया है।माना जाता है कि नंजनगुड़ का इतिहास 12 वीं शताब्दी में चोल राजाओं से जुड़ा हुआ है,उन्होंने ही इसे अपने शासनकाल मे बनवाया था। होयसला राजाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के परिवर्धन किए गए थे। मैसूर के राजाओं ने मंदिर के नवीनीकरण का कार्य किया। नंजनगुड को दक्षिण वाराणसी के रूप में जाना जाता है।

श्री जगन्नाथ मंदिर

मारदा में मंदिर का निर्माण पुरी में श्री मंदिर के भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की तीन महान छवियों को छुपाने के लिए किया गया था, जो वर्ष 1733 ईस्वी में ओडिशा के तत्कालीन मोगुल सूबेदार तकी खान के हमलों से बचाना प्रमुख उदयश था । मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार और लकड़ी के दरवाजे पुरी के जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति हैं। ग्राम मथुरा के राजमिस्त्री और बढ़ई दिन-रात मंदिर के निर्माण में लगे हुए थे और इसे दो महीने के रिकॉर्ड समय में युद्धस्तर पर पूरा किया। मंदिर अभी भी भगवान जगन्नाथ की गौरवशाली क्षेत्रीय परंपरा को दर्शाता है।

बाड़ौली मंदिर

बाड़ौली मंदिर को बरोली मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। बाड़ौली मंदिर 9 वीं शताब्दी में गुर्जर-प्रतिहार साम्राज्य के दौरान बनाया गया था। 1400 साल पुराना बाड़ौली मंदिर बड़े शहर कोटा से 50 किलोमीटर दूर रावतभाटा के सटे बाडोलिया में स्थित बाड़ौली मंदिर 9 मंदिरों का समूह है.

इतिहास के आईने से छत्तीसगढ़ की कहानी कहता घासीदास संग्रहालय

रायपुर शहर के बीचो बीच घड़ी चौक से लगा हुआ यह स्मारक करीब 2 हेक्टेयर में फैला हुआ है। घासीदास संग्रहालय एक पुरातात्विक संग्रहालय है, जिसका निर्माण राजा महंत घासीदास ने 1875 में करवाया था। रानी ज्योति और उनके पुत्र दिग्विजय ने इस स्मारक को 1953 में रेनोवेट कर दो मंजिल का बनवा दिया।

स्मारक में प्राचीन सिक्के, पुराने जमाने के हथियार, नक्कासी, प्राचीन मूर्तियां और उनके अवशेष, प्राचीन मंदिर, आदिवासी कला एवं नृत्य, जंगल, पशु-पक्षी आदि की जानकारी मिलती है। संग्रहालय में आदिवासियों की जीवनशैली से जुड़ी कई वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है। यहां 17 हजार से ज्यादा वस्तुएं प्रदर्शित की गईं हैं। आजादी के बाद भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इस संग्रहालय का लोकार्पण 1953 में किया था। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और यहां के इतिहास को जानना और समझना चाहते हैं तो एक बार जरूरत यहां आएं।

चित्रों के माध्यम से मंदिरो की जानकारी

घासीदास संग्रहालय में फोटो फ्रेम के माध्यम से प्रदेश के प्रसिद्ध ऐतिहासिक मंदिरों की जानकारी दी गई है। इसमें कुलेश्वर महादेव मंदिर राजिम, मड़वामहल कबीरधाम, शिवमंदिर बेमेतरा, विष्णु मंदिर बस्तर, महादेव मंदिर जगदलपुर, ढोलकल गणेश दंतेवाड़ा, फर्निकेश्वर नाथ मंदिर गरियाबंद, कर्णेश्वर महादेव मंदिर धमतरी, बत्तीसा मंदिर दंतेवाड़ा, भोरमदेव मंदिर कवर्धा, विष्णु मंदिर जांजगीर चांपा, शिवमंदिर का प्रवेश द्वार बलरामपुर, महादेव मंदिर पाली कोरबा, लक्ष्मण मंदिर सिरपुर महासमुंद, सीताबेंगरा गुफा अंबिकापुर आदि मंदिरों की जानकारी के साथ उनके निर्माण काल को दर्शाया गया है।

पुराने मुर्तिओ का अनूठा संग्रह

महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में कई प्राचीन प्रतिमा और उनके अवशेष रखे गए हैं। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में खनन के दौरान मिली प्रतिमाओं को यहां एग्जिबिट किया गया है। इसमें कुछ की स्थित अच्छी है वहीं कुछ में टूट फूट हो चुकी है। प्रदर्शित प्रतिमाएं काले और भूरे पत्थर की बनी हुई हैं। प्रतिमाएं हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म से जुड़ी हुई हैं। संग्रहालय में पत्थर से निर्मित जंगली जानवर भी देखने को मिलते हैं। यहां प्राचीन शिलालेख भी एग्जिबिट किए गए हैं। प्रतिमा के साथ मंदिरों के प्राचीन अवशेष भी स्मारक में रखे गए हैं। नागरी लिपि के विकास को भी यहां प्रदर्शित किया गया है।

तालाबंदी के बाद भारत सरकार का दावा

कई कदम उठाये गए पर्यटन उद्योग के लिए

दो साल मोदी सरकार की कोविद नीतियों के कारण पर्यटन ने अपना सबसे बुरा वक़्त देखा है जिसमे हज़ारो लोगो की नौकरी और व्यापार की हानि हुई है। अब भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन के विकास के लिया क्या किया है , साल 2022 में इसकी कुछ जानकारी साझा की गयी है , पहले समझते है की सरकार ने क्या कहा और उसके क्या मायने है।

भारत में 200 से अधिक G20 बैठक 55 स्थानों पर करने की उम्मीद है

पर्यटन मंत्रालय ने इसके लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है

28 नए पर्यटन हवाई मार्गों को शामिल किया जा रहा है जिसके कारन अब कुल संख्या पर्यटन आरसीएस हवाई मार्ग 59 हो जायेंगे।

राष्ट्रीय डिजिटल मिशन को पर्यटन से जोड़ना प्रमुख लक्ष्य है। जिससे पर्यटन से जुड़े हितधारक को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की तर्ज पर त्योहारों को लाइव कार्यक्रम से जोड़कर एक उत्सव पोर्टल लॉन्च करने की योज़ना पर कार्य किया जा रहा है। इसी पोर्टल के माध्यम से देश दुनिया भर में लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को दिखया जायेगा।

पर्यटन मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमे पर्यटन पालिसी के क्रियान्वन के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस विभाग के डीजी/आईजी के संग बैठके की गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने विदेशी कार्यालयों के माध्यम से अरेबियन ट्रैवल मार्ट, दुबई , अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनीऔर वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट, लंदन में भाग लिया।

पर्यटन मंत्रालय ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के दौरान 'युवा पर्यटन क्लब' की स्थापना की। युवा पर्यटन क्लबों का दृष्टिकोण भारतीय पर्यटन में ऐसे युवाओ का पोषण और विकास करना है जो भारत में पर्यटन की संभावनाओं से अवगत हों और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी रखे , साथ ही पर्यटन के लिए रुचि और जुनून विकसित करे।

पर्यटन मंत्रालय ने हॉस्पिटैलिटी उद्योग का राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस, (या NIDHI), एक प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली की स्थापना की है, जो माननीय प्रधान मंत्री के "आत्मानिर्भर भारत" के दृष्टिकोण के साथ रेखांकित किया गया है, जो डिजिटलीकरण की सुविधा और सुगमता को बढ़ावा देने के लिए है। आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र के लिए व्यापार के संभावित उपायों को भी इस योज़ना के तहत रखा गया है।

कोविड प्रभावित पर्यटन सेवा क्षेत्र (एलजीएससीएटीएसएस) के लिए ऋण गारंटी योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र के लोगों की देनदारियों को पूरा करने और कोविड-19 महामारी के कारण प्रभावित व्यवसायों को फिर से शुरू करने के लिए कार्यशील पूंजी/व्यक्तिगत ऋण प्रदान किया गया है। इस योजना में पर्यटन मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त 10,700 क्षेत्रीय स्तर के टूरिस्ट गाइड और राज्य सरकारों/यूटी प्रशासन द्वारा मान्यता प्राप्त 1000 टूरिस्ट गाइड शामिल रहे ; और लगभग 1लाख से दस लाख तक की सहायता भी उपलब्ध करवाई गई।

पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा पहले 5 लाख पर्यटक को मुफ्त वीजा की घोषणा की गई थी। इस योज़ना के तहत 31.03.2022 तक या 5 लाख मुफ्त वीजा जारी होने तक, जो भी पहले रहा , उसके हिसाब से वितरित किया गया।

पर्यटन मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानें फिर से शुरू होने के बाद देश में विदेशी पर्यटकों के स्वागत के लिए नई अतुल्य भारत ब्रांड फिल्म विकसित की है।

अब मुद्दे की बात

मोदी सरकार के तालाबंदी ने होटल और पर्यटन उद्योग की कमर तोड़ के रख दी। कुछ व्यापारी तो सड़क पर आ गए और कुछ ने तो अपने दूकान पर ताला लगा दिया। पर्यटन मंत्रालय के कुछ कार्यक्रम करा लेने से कौन से नुक्सान की भरपाई होगी यह तो कहना और समझना अपने आप में चर्चा का विषय है। पर चलिए वापस बताते है कितना नुक्सान मोदी सरकार के तालाबंदी ने किया पर्यटन उद्योग को।

- ट्रांसपोर्ट उद्योग को तक़रीबन 1600 करोड़ का नुकसान।
- महाराष्ट्र स्टेट ट्रांसपोर्ट को 5 हज़ार करोड़ से ज्यादा का घाटा।
- 1. 3 ट्रिलियन डॉलर का नुक्सान हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री को।
- महाराष्ट्र में 15 लाख होटल उद्योग के कामगार बेरोज़गार हुए।
- हॉस्पिटैलिटी उद्योग पर बकाया 60 हज़ार करोड़ से ज्यादा रहा।
- भारत की एयरलाइंस को 20-21 में 19,564 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।
- महामारी के दौरान रेलवे को ₹36,000 करोड़ का नुकसान हुआ।
- अगर वापस कोविद के नाम पर तालाबंदी हुई तो यह आंकड़े वापस नज़र आएगा।

रुपहले परदे ने दिया पर्यटन को नयी कामयाबी

हिंदी सिनेमा सदा से दर्शको के पसंद और उनके ख्वाईशो को नई उड़ान दी है। रुपहले परदे के सतरंगी दुनिया में जैसे सब कुछ जादुई सा है। हम अपने कल्पना के जगत के बेहतरीन पल उनमे से चुन लेना चाहते है। क्या आप जानते है की कई देश बॉलीवुड को अपने यहाँ आमंत्रित करते है और उसके लिए कई तरह की सुविधा भी देते है। क्युकी हिंदी सिनेमा का प्रभाव हमारे जीवन में ऐसा है की हम जो देखते है उस से प्रभावित होते है। ।

साल 2010 में यश चोपड़ा को स्विस अम्बैस्डर अवार्ड से नवाज़ा गया। 1965 में वक़्त फ़िल्म से यश चोपड़ा ने स्विज़रलैंड को अपने सिनेमा का हिस्सा बनाया और कहा जाता है उनके कारण ही स्विज़रलैंड हनीमून के लिए भारतीयों का पसंदीदा स्थल बना।

कुछ गीत साठ के दशक में ऐसे आये की दर्शक ने अपनी छुट्टी की रूप रेखा स्वतः बना ली जैसे "दुनिया की सैर कर लो - अराउंड दी वर्ल्ड इन 8 डॉलर्स" - मुकेश और शारदा ने इस गीत को 1967 में शंकर जयकिशन के संगीत निर्देशन में गया था। इस गीत में राज कपूर ने लॉस एंजेलेस से लेकर ग्रैंड कनिओन तक के भव्य दृश्य दिखा के पुरे यूरोप को आपके आगे रख दिया। देखो देखो देखो , ऐन इवनिंग इन पेरिस - शम्मी कपूर के

अभिनय में इस गीत को फिल्माया गया। शायद इन्ही गीतों ने यूरोप के प्रति दीवानगी हमारे मन में पैदा की। शंकर जयकिशन के संगीत और रफ़ी साहब के आवाज़ में यह गीत 1967 में प्रदर्शित हुई।

ऐसा लगा की राज कपूर और शम्मी कपूर ने एक साथ फ़िल्मी प्रेमिओ को वर्ष 1967 में यूरोप दर्शन कराने का मन बना चुके थे। और इस सफर में उन्होंने शंकर जयकिशन को अपना हमसफ़र बना लिया था।

वर्ष 1966 में एक गीत ने खूब सुर्खिया बटोरी। ले गयी दिल गुड़िया जापान की - यु तो परदे पर जॉय मुखर्जी अपने शरारती अंदाज़ में यह गीत गाते नज़र आये पर संगीतकार तो शंकर जयकिशन ही थे। इस बार जापान की सैर पर दर्शको को लुभाने की तैयारी जैसे चल रही हो।

मुंबई शहर के नाम पर बॉलीवुड में एक से बढ़ के एक गीत बने और इस शहर को नई पहचान दिया। सबसे मशहूर गीत बप्पी दा ने दिया " बम्बई से आया मेरा दोस्त , दोस्त को सलाम करो ", नब्बे के दशक में सलमान

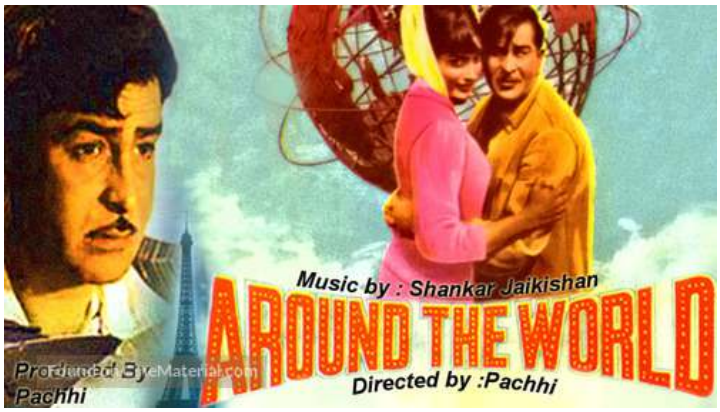

खान ने रवीना टंडन के साथ पुरे शहर के इलाके गिनवा दिए , गीत था " तुम को देखते ही प्यार हुआ " और फिल्म थी पत्थर और फूल। पर जिस गीत ने मुंबई को अलग पहचान दी वह था " बम्बई शहर हादसों का शहर है " , अमित कुमार के आवाज़ में यह गीत हादसा फ़िल्म का था।

पर पर्यटन की ही बात करता हुई अब तक की सबसे मशहूर गीत रही , महानायक अमिताभ और राखी पर फिल्माया गीत " यह कश्मीर है " . किशोर दा की आवाज़ में यह गीत अमर हो गया और इसके साथ ही कश्मीर की खूबूसरत वादिया भी।

हिंदी सिनेमा में भारत के छोटे शहरो को भी खूब शोहरत दी। आशा भोसले की आवाज़ में मेरा साया का एक गीत " झुमका गिरा रे '' ने रातो रात बरेली शहर को चर्चा में ला दिया। " खाइके पान बनारस वाला " गीत गाकर किशोर दा ने बनारस शहर के पान और बनारस शहर , दोनों को घर घर तक पंहुचा दिया।

देश को सबसे बेहतरीन बताने को लेकर भी गीत बने और पसंद किये गए , जैसे शाहरुख खान के फिल्म परदेस का गीत " यह दुनिया एक दुल्हन ,दुल्हन के माथे की बिंदिया , यह मेरा इंडिया " . मनोज कुमार ने भी हमारा देश कितना खूबसूरत है , यहाँ की संस्कृति कितनी महान को लेकर एक गीत गया " मैं भारत का रहने वाला हु , भारत की बात सुनाता हु " .

राजा मेहँदी ने 1962 में हांगकांग फ़िल्म के लिया एक गीत लिखा था , गीत के बोल थे " हांगकांग चीना मीना सिंगापुर" एक बार ज़रूर सुने। यह उस दौर के गीत थे जब विदेश दौरा बड़ी बात होती थी। इसलिए लोग परदे पर ही विदेश भ्रमण कर लिया करते थे।

अप्रत्यक्ष पर्यटन गीत भी रहे जो आपको दृश्यों के माध्यम से परिचय दे देते है , जैसे रोज़ा का गीत " यह हसीन वादिया , यह खुला आसमान"। कश्मीर सैर का बस मन अनायास ही हो जाता है। सदी के महानायक अमिताभ और रेखा का गीत " यह कहा आ गए हम " ने प्यार करने वालो को एक नया जहान दे दिया।

तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और बढ़ते मध्यम वर्ग के साथ, भारत वर्तमान में हर साल अपने मध्यम वर्ग में लगभग 40 मिलियन लोगों को जोड़ रहा है, निश्चित रूप से बड़ी संभावनाओं वाला एक पर्यटन बाजार है।भारतीयों द्वारा वर्ष 2019 में लगभग 9 मिलियन विदेश यात्राएँ की गईं है। तालाबंदी न होने से उम्मीद थी की वर्ष 2020 तक यह संख्या बढ़कर लगभग 50 मिलियन तक पहुंच जाये। ट्रैवेलसेट कॉम्पिटिटिव इंडेक्स द्वारा किए गए वैश्विक बेंचमार्क सर्वेक्षण के अनुसार, 40 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों ने वहा जाना पसंद किया , जिस गंतव्य को उन्होंने 2012 में एक फिल्म की शूटिंग में देखा था।

"कहो न प्यार है " फिल्म की शूटिंग न्यू ज़ीलैण्ड में की गयी थी। इस फिल्म के कारण भारत से पर्यटक इतनी भारी संख्या में गए की इमीग्रेशन काउंटर को 500 स्क्वायर फ़ीट से बढ़ा के 5000 स्क्वायर फ़ीट करना पड़ा।

यात्रा स्कॉटलैंड उन पर्यटन पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है जो गंतव्य पर्यटन के दीर्घकालिक प्रभाव को विकसित करने के लिए फिल्म कर्मचारियों को आकर्षित करने की दिशा में काम करना पसंद करते हैं।

एसोसिएट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया के अनुसार, ज्यादातर विदेशी सरकार फिल्म निर्देशक को अपने यहाँ के लोकेशन पर शूट करने के लिए 10% से 70% तक की सब्सिडी देती है।

Czez गणराज्य पर्यटन बोर्ड फिल्म कंपनी को किए गए खर्चों पर 20% तक की छूट देती है। फिजी द्वीप फिल्म निर्माताओं को 50% की सब्सिडी और ब्रिटैन 25% से 30% सब्सिडी की पेशकश करता है।

हडसन और रिची (2006) ने दुनिया भर के 490 गंतव्य विपणन संगठनों में शोध के बाद पाया कि लगभग सभी संगठनों को मामूली रूप से पर्याप्त आर्थिक और मानव संसाधनों के साथ काम करना पड़ता है जिसके कारन प्रचार की नवीन रणनीतियों की आवश्यकता के साथ तालमेल बिठाना उन्हें मुश्किल पड़ता है। उन्होंने 31 मामलों के अध्ययन की जांच की और 9 मामलों को संदर्भ बिंदु के रूप में चुना।

कैनसस के पर्यटन और यात्रा विभाग ने फिल्म स्थान के रूप में राज्य के पर्यटक प्रचार प्रसार के लिए सालाना 1.2 मिलियन डॉलर आवंटित किए। 2004 में सिंगापुर के मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माता को आकर्षित करने के लिए 7 मिलियन डॉलर के खर्च की तीन साल की योजना की घोषणा की।

ऑस्ट्रेलिया के पर्यटन की राष्ट्रीय परिषद ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की वन्य खूबसूरती दिखाने वाली फिल्म "ऑस्ट्रेलिया" पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय विज्ञापन अभियान में लगभग 40 मिलियन डॉलर का निवेश किया।

फिजी पर्यटन आयोग द्वारा अपने 315 वर्जिन द्वीप पर शूटिंग करने के लिए स्थानीय खर्च पर 47% की छूट की पेशकश की योज़ना शामिल है। अकेले वर्ष 2011 में 148,000 भारतीय पर्यटकों ने 867 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खर्च किया जिसके कारण ऑस्ट्रेलिया इनबाउंड पर्यटक बाजार में भारत दसवे स्थान पर रहा। अगले साल माना जा रहा है की भारत से जाने वाले सैलानी तक़रीबन 2.3 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक खर्च कर सकते है और 300,000 से अधिक पर्यटक ऑस्ट्रेलिया घूमने जा सकते है।

घरेलु पर्यटन हो विदेशी पर्यटन , सिनेमा का रंगीन दुनिया सदा से अपनी अहम् भूमिका अदा करता रहा है। पुराने ज़माने से लेकर वर्त्तमान युग तक , सिनेमा के माध्यम से पर्यटन के बाजार को पर्यटकों तक ले जाने के रूप में सबसे बेहतरीन साधनो में से एक माना जाता रहा है। तो अगली बार शायद आप भी किसी चलचित्र के किसी गीत या दृश्य से प्रभावित होकर वहा जाने का विचार बना ले।

पर्यटन में अजरबैजान अपनी अलग पहचान और भव्यता के साथ

बाकू शहर:

यह इस देश की राज्यधानी है। बाकू का पहला ऐतिहासिक सन्दर्भ 885 C E से मिलता है, हालांकि पुरातात्विक साक्ष्य ईसा से कई सदियों पहले यहाँ मानव बस्ती होने का संकेत देते हैं। पूर्वी यूरोप में सर्वश्रेष्ठ नाइटलाइफ़ में से एक (बैंकाक के समान) यहाँ पर ही है।

• दुनिया का सबसे पुराना अग्नि मंदिर को भी यही पर आकर देख सकते है।

• बाकू शहर जैसे दुबई के समान प्रतीत होता है और नौका विहार का आनंद लेते हुए शहर की सैर की जा सकती है।

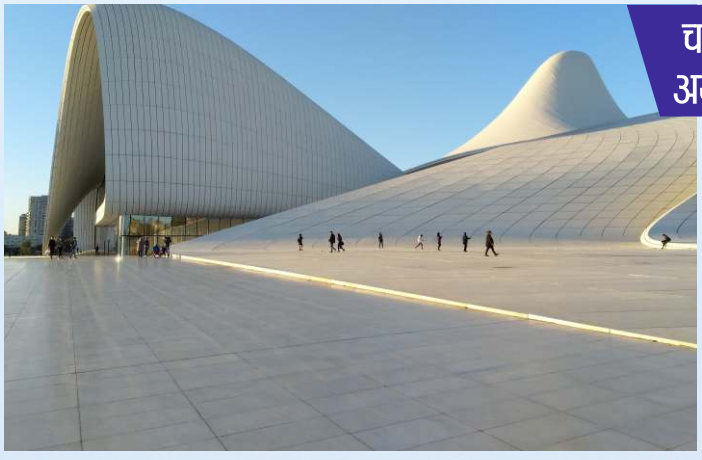

चलिए एक नजर में समझते है अजरबैजान की मुख्य विशेषताएं

प्रशिक्षण, खानपान सेवा (कैफे और रेस्तरां), बच्चों के लिए मनोरंजन केंद्र, होटल और अन्य सेवाएं प्रदान करता है।.

• यह शहर ऐतिहासिक धरोहर के रूप में भी जाना जाता है।

अबशेरॉन

(स्मारकों के साथ वाणिज्यिक और सांस्कृतिक शहर)

• यनदग कालीन घर

• एच अलीयेव केंद्र जिसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए प्राथमिक भवन के रूप में डिज़ाइन किया गया है जो रूस के वास्तुशिल्प से प्रभावित है।

• संग्रहालय में यहाँ की संस्कृति और सभ्यता को जाना जा सकता है।

लीक से हटकर गतिविधियों के साथ अस्तारा टूर (पूरी तरह से प्राकृतिक सौंदर्य) के साथ (पहलगाम के समान) है। मुख्य आकर्षण है

• गर्म झरने का पानी, • ग्रीन लेक,

• सिम विलेज में जाना (जैसे हाइकिंग टूर)

गबाला

अजरबैजान के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक है। यह शीतकालीन गतिविधियाँ के लिए प्रसिद्ध है जैसे हमारे यहाँ गुलमर्ग है।

• तूफंदंग विंटर-समर कॉम्प्लेक्स रूस के सीमा से लग के है। विंटर-समर टूरिज्म कॉम्प्लेक्स साल भर केबल कार की सवारी, विभिन्न कठिनाई स्तर के स्की ट्रैक पर स्कीइंग, स्की

गोबस्टन

(प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक स्थल)

• यहाँ पर तक़रीबन ४०० मिट्टी के ज्वालामुखी है और राज्यधानी बाकू से नब्बे मिनट में पंहुचा जा सकता है

दक्षिण काकेशस

(पर्वत श्रृंखलाएं)

• यह स्थल प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है

• यहाँ के निवासी अपनी दीर्घायु के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं

प्रकृति से रु ब रु झारखण्ड

झारखंड में वन्य जीवन विशाल और विविध है , जो पर्यटकों को रोमांचकारी और यादगार जंगल अनुभव वह के वनस्पतियों और जीवों के संग पेश करता है। झारखंड पर्यटन के पास आपके लिए कुछ शानदार वन्यजीव टूर पैकेज हैं। झारखंड के कुछ सबसे प्रसिद्ध पक्षी और वन्यजीव अभ्यारण्य जहाँ आप जा सकते हैं कुछ इस प्रकार से है

दलमा वन्यजीव अभयारण्य

झारखंड के जमशेदपुर शहर से 10 किलोमीटर दूर दलमा पहाड़ियों के आसपास स्थित दलमा वन्यजीव अभयारण्य का उद्घाटन संजय गांधी ने 1975 में किया था। विशाल दलमा वन्यजीव अभयारण्य चांडिल से शुरू होकर कागज पर लगभग 195 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो पूर्व में 40 किलोमीटर तक फैला हुआ है। हाथी, बार्किंग डीयर, स्लॉथ बियर और साही इस रमणीय अभ्यारण्य के प्रमुख निवासी हैं।

हजारीबाग वन्यजीव अभयारण्य

हजारीबाग वन्यजीव अभयारण्य, झारखंड में रांची से लगभग 89 किलोमीटर उत्तर में 1955 में स्थापित किया गया था। समुद्र तल से 615 मीटर की औसत ऊंचाई पर स्थित है। वन्यजीव अभयारण्य में तेंदुए, पैंथर, बाघ, सांभर चीतल और कबूतर हैं।

सारंडा साल वन

सारंडा वन झारखंड में पश्चिम सिंहभूम जिले के पहाड़ी क्षेत्र में एक घना जंगल है, जिसका अर्थ है सात सौ पहाड़ियाँ। 820 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ, यह क्षेत्र कभी सरायकेला के पूर्व शाही परिवार सिंहदेव परिवार का निजी शिकारगाह था। मनोहरपुर से लगभग 46 किलोमीटर की दूरी पर 550 मीटर की ऊंचाई पर जंगल के बीच में, थाइकोबाद नाम का सुरम्य गांव है।

बेतला राष्ट्रीय उद्यान

झारखंड में पलामू जिले के छोटानागपुर पठार में स्थित बेतला राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीवन की विशाल प्रजातियाँ पाई जाती हैं। प्रारंभ में इसमें पलामू टाइगर रिजर्व का 1026 वर्ग किलोमीटर शामिल था, अंततः 1989 में अतिरिक्त 226 वर्ग किलोमीटर और महुआदर भेड़िया अभयारण्य का 63 वर्ग किलोमीटर शामिल था। बेतला प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बाघ अभयारण्य बनने वाले भारत के पहले राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। यहां हाथी भी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

लावालौंग वन्य जीवन अभयारण्य

यह 207 किलोमीटर का वन्य जीवन अभयारण्य चतरा जिले के दक्षिण पश्चिम कोने में स्थित है और दक्षिण में अमांत नदी से घिरा हुआ है। पश्चिम में चकोनाला नदी और उत्तर पश्चिम में लिजाजन नदी बहती है । यहाँ के जंगल में प्रचुर मात्रा में शुष्क मिश्रित पर्णपाती से लेकर बांस और शुद्ध आसन फसल फैले हुए हैं। अन्य वृक्ष प्रजातियों में खैर, सिरिस, बाउहिनिया, बेल, पलास, ढो आदि शामिल हैं। पक्षी की कई किस्म के अलावा, अभयारण्य बाघ, तेंदुआ, चीतल, भौंकने वाले हिरण और जंगली सूअर का घर है।

पालकोट वन्य जीवन अभयारण्य

यह अभयारण्य छोटी पहाड़ी और उबड़-खाबड़ इलाकों से भरी हुई है। पालकोट अभयारण्य शंख, बांकी, पेंजारा, पालमारा और तोरपा जैसी नदियों के पास स्थित है और साथ ही तपकारा सिंचाई बांध भी है। अभयारण्य में शुष्क पर्णपाती वन शामिल हैं जो साल भर समृद्ध वनस्पतियों की कई प्रजातिओ की पैदावार होती है जिसमे प्रमुख है , आसन, गम्भर, सलाई, पीर, आंवला, महुआ और कुसुम।

महुधरा वन्य जीवन अभयारण्य

यह वन्य जीवन अभयारण्य 63.35 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में बनाया है। लुप्तप्राय जंगली प्रजातियों के संरक्षण के लिए इस अभयारण्य का निर्माण हुआ था । यह गहरी नालियों वाले क्षेत्र में आते है जिसमे शुष्क प्रायद्वीपीय पर्णपाती वन शामिल हैं, जो बुरहा नदी और छत्तीसगढ़ की पहाड़ियों से बहने वाली उसकी सहायक नदियों द्वारा बहते हैं। ग्रीष्म काल में 49 डिग्री सेल्सियस तक की गंभीर गर्मी का मौसम रहता हैं। यहां औसत वर्षा 1800 मिलीमीटर से अधिक होती है। सारनाडीह और उरुंबी वन क्षेत्रों में घनी झाड़ियों से ढकी खड्डों में भेड़िया अपने मांद बनाते है।

सिंहभूम हाथी अभ्यारण्य

सिंहभूम हाथी रिजर्व देश का पहला हाथी रिजर्व 2001 में परियोजना हाथी के तहत 13 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में बनाया गया था। पूर्व और पश्चिम सिंहभूम और सरायकेला-खरसावाँ जिले में हाथियों के निवास स्थान का ऐसा निर्माण जिसमे झारखंड के जंगली एशियाई हाथियों की आबादी के संरक्षण के उद्देश्य को पूरा किया जा सके । हाथीओ के मौजूदा प्राकृतिक आवास और प्रवासी मार्गों की प्राकर्तिक बहाली, समस्या क्षेत्रों में मानव हाथी संघर्ष को कम करना, मानव दबाव को कम करना और महत्वपूर्ण हाथियों के आवास पर उनके पशुधन को सुनिश्चित करना इस अभ्यारण्य के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

कोरिया घर है 13 युनेस्को विश्व विरासत स्थल का

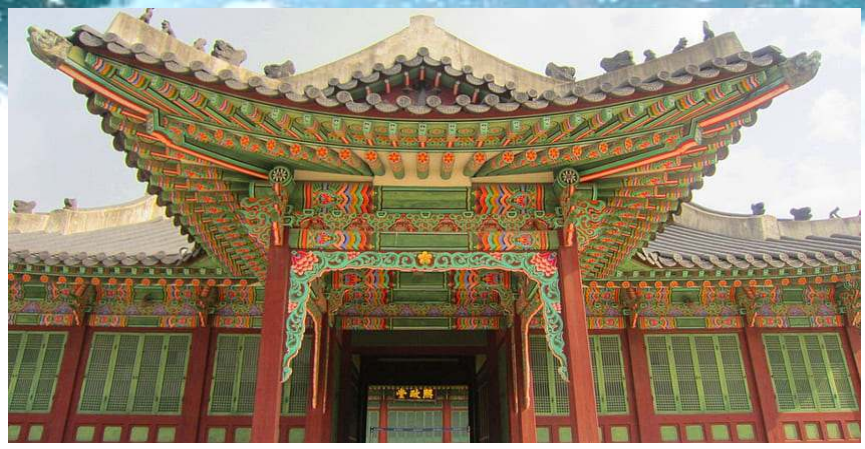

कोरिया के 5000 साल लंबे इतिहास और विरासत के निशान पूरे देश में अलग अलग स्थलों पर देखे जा सकते हैं, जिसमें प्रमुखता से शामिल है "बौध्द पर्वत मठ" जिसको 2018 में पंजीकृत किया गया हैं। कोरिया देश 13 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का घर है। पर्यटक इन स्थलों के माध्यम से देश की अनूठी संस्कृति का करीब से अनुभव कर सकते हैं। चलिए आपको ले चलते है इन 13 स्थलों की यात्रा में।

सेओकगुराम कुटी और बुलगुक्सा मंदिर

सेओकगुराम कुटी और बुलगुक्सा मंदिर 18वीं शताब्दी के मध्य में स्थापित किए गए थे जब सिल्ला साम्राज्य (57 ईसा पूर्व - 935 सीई) की कला और संस्कृति अपने चरम पर थी। दोनों ग्योंग्जू के टोहम्सन पर्वत पर स्थित हैं। इस पर्वत को बौध्द धर्म का प्रकृतिक मनोरंजन भी कहा जाता है।

जोंगम्यो मंदिर

जोसियन वंश के राजाओं और रानियों के पूर्वजों की तख्तियां यहां स्थापित की गई थीं। लेकिन कन्फ्यूशियस आदर्शों से हम अपने पूर्वजों का सम्मान और प्रशंसा करना सिखते हैं।

हेइंसा मंदिर

कोरिया के प्रमुख बौध्द मंदिरों में से एक हाइंसा मंदिर है जिसके भंडार गृह में त्रिपताका कोरियाई संग्रह को रखा गया है, जो गोरेयो साम्राज्य (918-1392) के समय में एकत्र किया गया था। सबसे खास है एशियाई बौध्द पाठ जिसे 80 हजार लकड़ी के चौखट में उकेरा गया है।

चांगदेओकगंग पैलेस

जोसियन राजवंश (1392 - 1910) के चांगदेओकगंग महल ने सबसे लंबे समय तक शाही निवास के रूप में सेवा की। बुकानसन पर्वत की तलहटी में बने इस महल की वास्तुकला पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता के साथ मिलान करके निर्माण किया गया था और इसके बगीचे का निर्माण एक प्राकृतिक जलधारा के रूप में विकसित किया गया था।

ह्वासोंग किला, सुवन

जोसियन राजवंश के व्यावहारिक शिक्षा स्कूल के संभ्रांत विद्वानों ने सुवन ह्वासोंग किले को डिजाइन , कोरिया की पारंपरिक सैन्य वास्तुकला और पश्चिमी सैन्य वास्तुकला को मिलाकर किया है।

ग्योंगजू ऐतिहासिक क्षेत्र

ग्योंगजू लगभग एक सहस्राब्दी के लिए सिला साम्राज्य (578 ईसा पूर्व - 935 सीई) की राजधानी रही जिसके कारण पूरे शहर को एक संग्रहालय और सांस्कृतिक विरासत के रूप में जाना जाता है। ग्योंगजू ऐतिहासिक क्षेत्रों में 52 बौध्द और स्थापत्य अवशेष शामिल हैं जो 5 जिलों में विभाजित हैं।

गोचांग, हवासुन और गंगवा डोलमेन स्थल

महापाषाण युग के डोलमेन्स प्रागैतिहासिक युग के मूल्यवान अवशेष हैं। डोलमेन्स एक महापाषाण मकबरा होता था जिसके ऊपर एक बड़ा सपाट पत्थर रखा जाता था। अकेले कोरिया में खोजे गए 30 हजार से अधिक डोलमेन स्थल है जिसमे से गोचंग, हवासुन और गंगवा डोलमेन साइट कोरिया में सबसे अधिक घनत्व और सबसे बड़ी विविधता के साथ है।

जाजू ज्वालामुखी द्वीप और लावा ट्यूब

जेजू बहुत समय पहले से ही कई गतिविधियों द्वारा गठित एक ज्वालामुखीय द्वीप रहा है। यूनेस्को की मान्यता की सूचि में इस द्वीप के सेओंगसन लिचुबोंग टफ कोन किला और यहाँ के प्रसिद्ध हालासन राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।

जोसियन राजवंश के शाही मकबरे

जोसियन राजवंश के शाही मकबरे 27 राजाओं और रानियों के 42 मकबरों का संग्रह हैं। शाही मकबरे आमतौर पर पहाड़ों से घिरी प्रकृति के बीच बनाये जाते थे।

कोरिया का ऐतिहासिक गांव: हाहो और यांगडोंग

जोसियन वंश (1392-1910) में स्थापित, एंडोंग हाहो गांव और ग्योंगु यांगडोंग गांव कोरिया में दो सबसे अधिक सम्मानित ऐतिहासिक कबीले गांव हैं। गाँव में फूस की छत वाले घर अपने आप में महान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्यों के साथ बेहद लोकप्रिय हैं।

नम्हानसनसेओंग किला

नम्हानसनसेओंग किले का निर्माण ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों पर बचाव और सुरक्षा के मध्येनजर से किया गया था। पहाड़ की आड़ में युद्ध की तैयारी में पूर्व और पश्चिम किलेबंदी की रचना की गयी है।

संसा, कोरिया में बौद्ध मठ

2018 में, कोरिया के बौद्ध मठों को कोरिया में 13वीं यूनेस्को विश्व विरासत के रूप में पंजीकृत किया गया था। इस मान्यता में 7 पर्वतीय मंदिर शामिल हैं जो एक हजार से अधिक वर्षों से कोरियाई बौद्ध संस्कृति का प्रतिबिम्ब है।

यात्रा आमंत्रण ने ग्रेटर नॉएडा में चल रहे एशिया के सबसे बड़े पर्यटन शो " SATTE 2023" में शिरकत की। साथ ही भारत के पहले पर्यटन पर आधारित ओटीटी ऍप की मार्केटिंग भी की।

Support us for CSR Events

WILL INDIA CHANGE FOUNDATION

About US

Will India Change foundation is a Delhi based NGO, founded in 2017, working toward women empowerment and education. We are spicialized in event coordination on social causes, into travel journalism and also have a network of SHG group and women professionals in food & catering

Major Achievements

Biggest Broom of India (35 Ft)
Baby Diapering record with 100 mother
Biggest Gulab jamun of India (18 KG)
Biggest Human Mosaic in cleanning brush
Clean India Campaign in Rajkot/Mumbai/ Agra

Brands we work previously

Unicharm India (Mamy Poko Pant)
Gala Freudenberg Pvt Ltd
Borghi India
GITS food

CALL US

7758968909/ 8920309199

willindiachangefoundation@gmail.com

www.willindiachange.org

इजारा

महिलाओ द्वारा संचालित भोजनालय

— OUR PRESENCE —

Mumbai | Delhi | Dehradun
Valsad | Amravati | Lucknow
Thane | Dist Palghar | Prayagraj
Chennai

हम है इजारा,
हमारे साथ कीजीये स्वाद से परिचय

BOLLYWOOD
FIRST ALL
WOMEN
CATERING SERVICE

A project to empower underprivileged WOMEN

A social cause Initiative by
Will India Change Foundation

Visit us at
www.willindiachange.org

WILL INDIA CHANGE FOUNDATION

• CONTACT US •

Project Head/Catering	Project Head/New Mumbai	Project Coordinator/Vidarbha Region
SUHASINI SAKIR	BIDDISHA MUKHOPADHYA	MADHURI SUDHA
+91 77589 68909	+91 98690 51721	+91 93716 71707

For any kind of query whats app at +91 99712 29644

ADDRESS : B 121, 2nd Floor, Green Field Colony, Faridabad, Haryana 121001